

एक नजर में

हिंसा से कभी सुख शांति प्राप्त नहीं होती: साध्वी

रतलाम। नीमचोक रतलाम श्री संघ में विराजित श्रमण संघीय जैन दिवाकरिया महासाध्वी डॉ. संयमलताजी मसा, डॉ. अमिताप्रज्ञाजी मसा, डॉ. कमलप्रज्ञाजी मसा, सौरभप्रज्ञाजी मसा आदि टाणा 4 के सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए महासती संयमलता ने कहा अहिंसा विश्व शांति का मूल आधार है। अहिंसा का सिद्धांत विश्व बंधुत्व की भावना को धारण करता है और संसार में व्याप्त युद्ध की विभीषिका को दूर करने में भी यह सिद्धांत अद्वितीय है। अहिंसा धर्म वीरों का धूप है, कार्यों का नहीं। अहिंसा का मार्ग आत्मज्ञान है। संपूर्ण जगत से प्रेम करने, मैत्री रखने और अहिंसा का पालन करने में ही आत्मा का कल्याण है। साध्वी ने आगे कहा महावीर जिसे अहिंसा कहते हैं, बुद्ध उसे करुणा और ईसा उसे प्रेम कहते हैं। यह तीनों एक दूसरे के पूरक हैं। सभी बुराइयों का त्याग अहिंसा है। अहिंसा अमृत है। आत्मोत्थान में अहिंसा अग्रणी है। अहिंसा जैन धर्म का प्राण है। महासाध्वी कमलप्रज्ञा ने कहा प्रेम जीवन का महामंत्र है, ये वो मन्त्र है जो पूरी दुनिया को अपने वश में करने की ताकत रखता है। प्रेम और मोह में अंतर है। प्रेम जीवन का प्रकाश है और मोह जीवन का अंधकार है। प्रेम उत्थान की राह है और मोह पतन का मार्ग है। दुःख का ऊपरी छिद्र का उतारकर देखेंगे तो मुख्य कारण मोह है। जो मोह का क्षय करता है उसे मोक्ष मिलता है। प्रवचन के प्रारंभ में सामूहिक रूप से दिवाकर चालीसा का गान हुआ। अन्त्या मण्डल द्वारा सती अंजना पर आधारित सुन्दर सी नाटिका का मंचन हुआ। आज रविवार को दोपहर में बाल संस्कार शिविर का आयोजन हुआ जिसमें 150 बच्चों ने भाग लिया।

अन्तर्वेद्युतमी खुलता है जब गुरुकृपा होती: आचार्य कश्यप

रतलाम। श्रावण मास के पवित्र अवसर पर शनिवार को श्री जगन्नाथ महादेव के पावन सानिध्य में शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। दोपहर 4 बजे से 5 तक रहेगी। जिसका स्थान हाथी खाना नगर निगम के पास श्री राजपूत धर्मशाला है जिसमें कथा का वाचन व्यास पीठाचार्य ब्रह्म ऋषि हेमंत कश्यप द्वारा कथा का रसपान कराया जा रहा है। कथा के आज दूसरे दिन श्री कश्यप महाराज का स्वगत एवं अभिनंदन महिला मंडल द्वारा किया गया तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर पोथी पूजन किया गया पोथी पूजन के मुख्य यजमान गजेंद्र सिंह राठौर व कौशल्या राठौर रहे। शिव महापुराण कथा में आचार्य हेमंत कश्यप ने कहा जैसे दिन को सजाता है सूर्य और रात को सजाता है चांद, वैसे ही मानव जीवन को सौन्दर्य से युक्त करने का काम सद्गुरु करते हैं। प्रातः काल पूर्व दिशा में लालिमा लिए उदित होने वाला सूर्य समस्त ब्रह्माण्ड की आंख बनकर प्रकट होता है। सबको प्रकाशित करता है लेकिन यह बाहर की आंख है, बाहर का प्रकाश है, जिससे इसान के बाहर की आंख खुले हुए चमक उठे। जो लाभ प्राप्त होता है। जिससे संसार का सौन्दर्य दिखता है और मनुष्य इस आंख की ओर आकर्षित हो जाता है। संसार सागर में अंधेरे और उजाले दोनों हैं। यह जरूरी नहीं कि जो आंध्र अपन डेह बाहर खुले हुए नेत्रों से देख रहे हैं, जो दृश्य साफ-साफ दिखाई दे रहा है वह सत्य को ही उजाता हो। उस चमकते हुए उजाले की परत के पीछे छिपा हुआ नाना अंधकार भी हो सकता है। इस मानव देह में एक तीसरा ज्ञान बंधु भी होता है, जिसके द्वारा अंधेरी और उजालों का अन्तर समझ आता है। जिसके द्वारा संसार नहीं संसार को बनाने वाला, लाखों-करोड़ों प्रकाशित सूर्य भी जिसकी बराबरी नहीं कर सकते, ऐसा जो ज्योति स्वरूप है, जो कण-कण में बसा हुआ है, सर्वव्यापक है, वह महान करतार दिखाई देता है। लेकिन वह अन्तर्वेद्युत भी खुलता है जब गुरुकृपा होती है, वैसे तो गुरु सबके ऊपर ही अनवरत अपनी कृपा बरसाते हैं, लेकिन जो गुरु कृपा पाने के योग्य होता है, गुरु महिमा के महत्व को भलीभांति समझता है, प्रथम ज्योति रूप में शिवलिंग प्रकट होने की कथा एवं पूजा विधि आदि प्रवचन में कहे। शाम को 5 बजे आरती संपन्न की गई। इससे नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा मनोज शर्मा, क्षेत्रीय पार्षद हिना मेहता, पार्षद प्रतिनिधि हादिक मेहता व कालिका माता मंदिर के पुजारी हेमंत ठाकुर द्वारा पोथी पूजन और श्री कश्यप का सम्मान किया गया। बीच-बीच में मधुर भजन प्रस्तुत किए गए जिसमें महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक भगवान शिव को नमन करते हुए नृत्य किया। आरती में समाज जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे तत्पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

श्री रामकथा का विश्राम

रतलाम। एक अभिनय एवं श्री हरि कथा आयोजन समिति रतलाम के सचिव अनिल पौरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री राम कथा का वाचन कथा वाचक सुश्री गीता कुमारी (नववासी कथा वाचक) द्वारा किया गया। आज भगवान श्री राम के प्रमुख अतिथि दंडी स्वामी मठ के आत्मानंद जी सरस्वती, नगर निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा व आशीष पाठक द्वारा भगवान श्री राम के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। आज पोती पूजन के मुख्य अतिथि दंडी स्वामी आत्मानंद जी सरस्वती, नगर निगम अध्यक्ष मनीषा मनोज शर्मा, आशीष पाठक वरिष्ठ पत्रकार, सेवा भारती, जनजाति सुरक्षा मंच, पूर्व सैनिक कैलाश निनामा, रामकृष्ण विवेकानंद आश्रम संत ऋषि अचल, ग्रीन मंट संस्था चतुर, रतलाम कला मंच, पीपू क्षत्रिय समाज, रतलाम अंतराष्ट्रिक विद्यालय के सभी आचार्य, वाधेला को सेवा जीव दया समिति, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष विनोद यादव, रतलाम एस वल्लभ सचिव बंटी शर्मा तथा राधा वल्लभ पुरोहित जिन्होंने पीपल के पत्ते पर महाकाल का चित्र भेंट कर स्वगत किया द्वारा पोथी पूजन किया गया। श्री राम कथा के विश्राम दिवस हनुमंत चरित्र विभीषण शंभुगणित राम राज्य तक कथा हुई। हनुमंत चरित्र को व्याख्यान करते हुए व्यास सुश्री गीता कुमारी कहती हैं हनुमान जी चाहते लंका दहन के साथ साथ रावण को संहार कर सीता माता को वापस ले आते परन्तु प्रभु सिर्फ पता लगाने को ही बोले थे। अतः हनुमान जी अपने बल, बुद्धि से माता जी को पता भी लगाए और सभी राक्षसों को शक्ति का भी पता लगाया और माता जानकी का संदेश प्रभु श्री राम को दिया। विभीषण जी रावण का अपना भाई थे परंतु वो सत्य मार्ग पर थे, रावण ने विभीषण जी को अपमानित कर भगा देना है। राम जी विभीषण जी को अपनते हैं और उसी समय लंका पति से संबन्धन भी करते। रावण का अंत का भेद विभीषण जी से ही राम जी को मिलता। और अंततः रावण मारा जाता है। और राम राज्य की स्थापना होती है। वर्तमान समय में भी हनुमान की आवश्यकता है दुष्ट प्रवृत्ति वाले को ठीक करने हेतु गांव गांव में हनुमंत शक्ति जगाना होगा। तब जाके भारत हिन्दू राष्ट्र बनेगा। और राम राज्य की कल्पना साकार होगी।

विश्व हिन्दू परिषद का 2 दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग संपन्न



जावरा। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल रतलाम विभाग का कार्यकर्ता विकास वर्ग जावरा में प्रारंभ हुआ। मंचासीन अतिथियों ने भारत माता राम दरबार के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उद्घाटन सत्र में बजरंग दल प्रांत संयोजक नितिन पाटीदार ने बताया कि विश्व हिन्दू परिषद पूरी दुनिया में हिंदुओं की रक्षा के लिए निरंतर लगा है। अलग अलग आयामों के माध्यम से विश्व हिन्दू परिषद दुनिया के 60 देशों में काम कर रहा है। बजरंग दल के संघर्ष से निरंतर बहन बेटियों की रक्षा गंगाती की रक्षा मंदिरों की रक्षा आदि हो रही है। बजरंग दल प्रतिवर्ष खंडवा संकल्प दिवस का संकल्प मन में लेकर लगता हुआ है। वर्ग में प्रांत सेवा प्रमुख मुकेश चौधरी ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना के बाद निरंतर त्राम समिति खंड समिति तक जमीन स्तर तक विश्व हिन्दू परिषद अलग-अलग आयाम के माध्यम से समाज में हर वर्ग में काम कर रहा है। अर्जुन मेहोलात विभाग संगठन मंत्री ने भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। रात्रि कालीन कार्यक्रम में विभाग मंत्री सौरभ चतुर्वेदी ने सभी कार्यकर्ताओं को अखंड भारत संकल्प दिवस की यात्रा कराई एवं जब-जब भी भारतीय पर प्रतिगत हूए उसके बारे में बौद्धिक दिया। विभाग कार्यकर्ता रतलाम जावरा झण्डा आतीनों जिलों की जिला कार्यकर्ता एवं 20 प्रखंडों की कार्यकर्ता के साथ 95 खंडों के 205 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वर्ग में कार्यकर्ता के विकास हेतु बौद्धिक शारीरिक के साथ-साथ आगामी कार्य योजना की भी योजना बनाई गई। दो दिन से पूर्व पहाड़ीया रोड सरस्वती शिशु मंदिर (सरस्वती पुरम) जावरा में संपन्न हुआ।

नशे के दुष्प्रभाव बताने पुलिस अधिकारी निकले साइकिल पर

नवभारत न्यूज
रतलाम। नशे के दुष्प्रभाव को बताने और आमजनों को जागरूक करने चल रहे "नशे से दूरी है जरूरी" अभियान के तहत रविवार को सुबह साइकिल रैली निकाली

रैली समापन स्थल पर नशा मुक्ति संबंधी जागरूकता की शपथ दिलाई

गई। पुलिस अधिकारी रैली में शामिल हुए और आमजनों को जागरूक किया। मध्य प्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार संपूर्ण प्रदेश में 15 जुलाई से 30 जून तक "नशे से दूरी है जरूरी" नशा मुक्ति जनजागृति अभियान चलाया जा रहा है। "नशे से दूरी है जरूरी" अभियान के तहत रविवार को प्रातः 6 बजे रतलाम पुलिस द्वारा एक विशाल साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य युवाओं और नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली



अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशे के दुष्प्रभाव लड़ाई में आप सभी को सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों, जैसे खेल और स्वास्थ्यपूर्ण जीवनशैली को अपनाना चाहिए और नशे से दूर रहकर अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए क्योंकि नशा न केवल अपराधों को जन्म देता है, बल्कि समाज में अस्थिरता भी लाता है। ऐसे में सभी नागरिकों की जिम्मेदारी बनती है कि वह स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी नशे के प्रति जागरूक करें। पुलिस अधीक्षक रतलाम अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतलाम राकेश खन्ना, डीएसपी अजय सारवान, डीएसपी आनंद स्वरूप सोनी, डीएसपी (प्रशिक्षु) सुश्री अनिशा जैन, रक्षित



निरीक्षक मोहन भर्वात, सूबेदार मोनिका चौहान, शहर के थाना प्रभारीगण, स्कूली छात्र, सामाजिक संगठन एसवायएस फिटनेस के सदस्य, खेल प्रतिभागी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक सम्मिलित हुए। प्रतिभागियों ने साइकिलों पर "नशे से दूरी है जरूरी", "सहते से समझौता नहीं, नशा छोड़ो-परिवार जोड़ो, जो होगा नशे का आदी उसके जीवन की होगी बर्बादी जैसे नारों के साथ जागरूकता फैलाई।

पुलिस लाईन से निकली रैली

इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों द्वारा नशा-मुक्ति संबंधी पोस्टर भी जारी कर वितरित कराये गये। साइकिल रैली पुलिस लाइन रतलाम से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए जगन्नाथ को नशा मुक्ति का संदेश देते हुए शीतल जैन तीर्थ धामनोद पर समाप्त हुई। रैली में शामिल प्रतिभागियों का जगह-जगह स्वागत हुआ।



भाजपा की जिला कौर कमेटी की बैठक संपन्न

रतलाम। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक विषयों को लेकर रविवार को रुद्र पैलेस में जिला कौर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने की। बैठक में भाजपा जिला प्रभारी उद्यम पाण्डे, सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप, विधायक डॉ. राजेन्द्र पाण्डे, जिला पंचायत अध्यक्ष लालाबाबई चंद्रवंशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेन्द्र सिंह लुनेरा, महापौर प्रहलाद पटेल,

ट्रेन से ला रहे थे अवैध शराब जब

रतलाम। नाबालिग युवक द्वारा इन्दौर से ट्रेन में बैठकर रतलाम अवैध रूप से शराब ला रहा था। सूचना पर आबकारी विभाग ने कार्रवाई कर गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार प्रभारी अधिकारी मोनाक्षी गुप्ता द्वारा हमराह आबकारी उप निरीक्षक चेतन वैद के क्षेत्र के प्रतानगर रेलवे पटरी के पास से ट्रेन के माध्यम से इंदौर से रतलाम लाई जा रही अवैध विदेशी शराब पकड़ी। 1 बाल अपचारी एवं फरार आरोपी विजय उर्फ मोनु राजावत पिता राजेंद्र राजावत निवासी रंजेश रोड के कब्जे से 4 बैग में 12 बोतल सिनेकर व्हिस्की, 12 बोतल बकाडी रम, 12 बोतल मैजिक मोमेट वॉदका, 36 बोतल फॉक्स वॉदका कुल 54.0 बल्क लीटर जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

आज निकलेगी श्री मौजी शंकर महादेव की शाही सवारी

नवभारत न्यूज
रतलाम। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार पर घांस बाजार स्थित श्री मौजी शंकर महादेव मंदिर से 21 जुलाई को शाही

बैठक में सवारी को सफल बनाने का संकल्प

सवारी निकलेगी। भाजयुमो जिलाध्यक्ष विप्लव जैन मित्र मंडल एवं श्री मौजी शंकर महादेव भक्त मंडल के तत्वावधान में निकलने वाली इस शाही सवारी के बड़ा गोपालजी का मंदिर पहुंचने पर हरि-हर का मिलन होगा। भाजयुमो जिलाध्यक्ष विप्लव जैन ने बताया कि शाही सवारी



शाम 4 बजे घांस बाजार से आरंभ होगी और चौमुखीपुल, चांदनी चौक, तोपखाना, गणेश देवरी, रानीजी का मंदिर, नाहरपुरा, डालुमोदी बाजार होते हुए माणकचौक स्थित श्री बड़ा गोपालजी का मंदिर पहुंचेगी। हरि-हर मिलन के पश्चात् यहां महाआरती होगी और प्रसादी का वितरण किया जाएगा। शाही सवारी के अवसर पर भक्तों को

मालव केसरी सौभाग्यमलजी मसा की 41 वीं पुण्यतिथि जप-तप कर मनाई

रतलाम। गुरुदेव सौभाग्यमलजी मसा की 41 वीं पुण्यतिथि श्री धर्मदास जैन श्री संघ द्वारा शनिवार को जप-तप, त्याग तपस्या के साथ वर्षापास स्थल डीपी परिसर लक्ष्मणपीठ पर जिनेंद्रमुनिजी मसा व मुनिमंडल एवं पुण्य पुंज साध्वी मुण्यशीलाजी मसा तथा साध्वी मंडल के सान्निध्य में उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर

कहा है, उसका सौभाग्य बढ़ता है। ऐसे ही मालव केसरी सौभाग्यमलजी मसा थे, जिनकी आज पुण्यतिथि है। अतिशयमुनिजी मसा ने कहा कि जन्म के के समय यदि कोई पाप कर्मों का उदय हो फिर भी जीव को महापुरुषों के वचन सुनना चाहिए। अशुभ घटना भी भाविय हो जाए पर जो चले हैं, उन्हीं मोक्ष का मार्ग प्राप्त किया है।

केसरीजी मसा हैं। श्रेयांशुमुनिजी मसा ने कहा कि धर्म की शुरुआत कैसे होती है इस मार्ग पर चलना कैसे है। मोक्ष में जाना है तो सबसे पहले श्रद्धा जरूरी है। इस मार्ग पर चलकर मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। श्रद्धा अनेक प्रकार की हो सकती है, जो गुरु की आज्ञा है वही तीर्थंकर की आज्ञा है। भगवान की आज्ञा पर जो चले हैं, उन्हीं मोक्ष का मार्ग प्राप्त किया है।

शेतानमल चंडालिया के नेत्रदान से दो जरूरतमंदों को नई रोशनी मिलेगी

सैलाना। समाजसेवा की दिशा में एक अनुरूपीय पहल करते हुए वरिष्ठ सुश्रावक शेतानमल चंडालिया के निधन के उपरांत उनके नेत्रदान (कार्निआ) से दो जरूरतमंदों को नई दृष्टि प्राप्त होगी। नेत्रम संस्था के हेमन्त मृगत ने बताया कि डॉ. दिशांत चंडालिया, दीपक ततेडु, ज्योति चंडालिया ने शेतानमल चंडालिया के पुत्र राजेश, राकेश, विकास चंडालिया एवं परिजनों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। परिजनों की सहमति मिलते ही बड़नगर गीता भवन न्यास के टस्टी एवं नेत्रदान प्रभारी डॉ. जीएल ददरवाल को सूचित किया। सूचना

मिलने पर डॉ. ददरवाल, मनीष तलाच एवम मोहनलाल राठौड़ के साथ तत्परता से मध्य रात्रि में बड़नगर से सैलाना पहुंचे और नेत्रदान की प्रक्रिया को सफलता पूर्वक पूर्ण किया। इस अवसर पर मोतीलाल चंडालिया, कमलेश मेहता, करुण संघवी, सुरेंद्र मेहता, मदनलाल मांडोत, इंद्रेश चंडालिया, धर्मेन्द्र संघवी, प्रमोद ओरा, प्रकाश सियाल, शैलेन्द्र चंडालिया, सुशील कसेरा, संजय राठौर, दिनेश सोनी सहित परिजन मौजूद थे। रविवार सुबह श्री चंडालिया की अंतिम यात्रा निकली। शांतिवन पर जेठ पुत्रों ने मुखार्पण दी।

पुलिस ने पकड़े नकली नोट चलाने वाले गैंग के तीन सदस्यों को पकड़ा

नवभारत न्यूज
रतलाम। पुलिस ने शहर में नकली नोट चलाने वाले गैंग को पकड़ने में सफलता हासिल की है। आरोपियों द्वारा बाजार में नकली

आरोपियों के पास से 20 नकली नोट बरामद नाम अंकोत पिता अभय कुमार (40), दूसरा व्यक्ती वासुदेव पिता अभय कुमार (35) दोनों निवासी तक्षशिला परिसर मुखर्जी नगर रतलाम बताया। अंकोत कि तलाशी लेने पर उसके पहने हुए पेंट के दाहिने जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031346 के 6 नोट तथा जौयुके 031347 के 3 नोट जिनपर भारतीय सरकार के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है तथा वासुदेव राजुल कि तलाशी लेते उसके पहने हुए पेंट के दाहिनी जेब से 100 के 9 नोट निकले जिनको पंचान समक्ष चेक करते नोट कि सिरिज ओयुके 031344 के 6 नोट तथा जौयुके 031345 के 5 नोट जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक के नोट लिखे जा चुके हैं। प्रत्याभूत हिन्दी व अंग्रेजी में लिखा